

blishment of a Potato Research Sub-station of the Central Potato Research Institute, Simla in the State of Jammu and Kashmir; and

(b) if so, the details thereof?

The Minister of State in the Ministry of Food and Agriculture (Dr. Ram Subhag Singh): (a) No.

(b) Does not arise.

Transport in Delhi

1968. Shri Bhagwat Jha Azad: Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) whether Government propose to survey the transport needs of Delhi; and

(b) whether Government propose to nationalise such routes of Delhi which are being run by private transport companies?

The Minister of Transport and Communications (Shri Jagjivan Ram): (a) Traffic surveys are conducted by the Delhi Transport Undertaking from time to time with a view to assess the traffic requirements of the travelling public.

(b) Yes, gradually according to a phased programme.

Delhi Water Supply

1969. Shri Bhagwat Jha Azad: Will the Minister of Health be pleased to state:

(a) whether Government propose to construct a channel to connect the tail end of the Narwana branch of Bhakra canal with the Western Jamuna Canal to augment the supply of water to Delhi on permanent basis; and

(b) if so, what would be the cost of this scheme?

The Minister of Health (Dr. Sushila Nayar): (a) Yes. The Government of Punjab propose to execute this work not only to augment the supply of water to Delhi but also to irrigate areas in the Punjab and Rajasthan.

(b) The original total estimated cost of this scheme is Rs. 256 lakhs, out of which the share of the Government of Punjab, Rajasthan and Delhi are Rs. 161 lakhs, Rs. 65 lakhs and Rs. 30 lakhs, respectively. The revised estimated cost has not yet been determined by the Government of Punjab.

दिल्ली में पानी का रुकाव

१९७०. श्री वाल्मीकी: क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिल्ली राज्य में ऐसी कितनी जमीन है जहाँ पानी खड़ा रहता है;

(ख) उसको बहाने के लिये क्या प्रयत्न किये जा रहे हैं;

(ग) क्या यह जमीन खेती के योग्य है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसको खेती योग्य बनाने के लिये क्या प्रयत्न किये जा रहे हैं?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भल्लोसन): (क) लगभग ५४,००० एकड़।

(ख) देहली प्रदेश में पानी की इकट्ठी और पानी-निकासी समस्या को निपटाने के लिए तीन पानी-निकासी स्कीमों का काम शुरू कर दिया गया है जिसका नाम यह है:

(१) नजफगढ़ पानी-निकासी स्कीम,

(२) कंझावाला ब्लॉक पानी-निकासी स्कीम; और

(३) अलीपुर ब्लॉक पानी-निकासी स्कीम।

(ग) पानी के इकट्ठे से ५४,००० एकड़ जमीन को नुकसान पहुंचता है। इसमें से खेती-लायक जमीन ३८,००० एकड़ है।

(घ) सवाल ही नहीं पैदा होता।

दिल्ली में विकास मेले

१९७१. श्री बाल्मीकी क्या सामूदायिक विकास, पंचायती राज्य और सहकार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों में दिल्ली संघ-राज्य-क्षेत्र में कितने विकास मेले लगाये गये और कहाँ-कहाँ ;

(ख) इनका जन-जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ;

(ग) सरकार को इन मेलों पर कितना व्यय करना पड़ा ; और

(घ) इसमें किन-किन गैर-सरकारी संस्थाओं का सहयोग प्राप्त हुआ ?

सामूदायिक विकास, पंचायती राज्य और सहकारिता मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ६००० मूर्ति) : (क) पिछले दो वर्षों में नीचे दिए गए नौ विकास मेले लगाए गए :—

१. नजफगढ़ (नजफगढ़ ब्लॉक)	२
२. महरोली (महरोली ब्लॉक)	१
३. गांव टिघ्री (महरोली ब्लॉक)	१
४. नांगलोई (नांगलोई ब्लॉक)	१
५. गांव खुरेजी खास (शहादरा ब्लॉक)	१
६. गांव शेरपुर (शहादरा ब्लॉक)	१
७. झलीपुर (झलीपुर ब्लॉक)	२

योग	९

(ख) विकास मेलों से कृषि के सुघरे तरोकों से सम्बन्धित जानकारी का प्रसार करने तथा दूसरे क्षेत्रों में सहायता मिली है। इसके अतिरिक्त इनसे लोगों में स्वस्थ प्रतियोगिता की भावना भर गई है जो कि उन्हें विकास कार्यक्रम में सक्रिय तथा रजामन्दी से भाग लेने के लिए प्रेरित करती है।

(ग) सरकारी निधि में से सभी नौ

विकास मेलों पर कुल ८३०० रुपए खर्च किए गए।

(घ) एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है। [द्वितीय परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या २१]

Sugar Production

1972. Shri P. R. Chakraverti: Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) the reason for the difference in quantity and quality of production of sugarcane in Maharashtra as compared to that in Bihar and Uttar Pradesh; and

(b) whether Government advised State Governments of Uttar Pradesh and Bihar to take to the method used in Maharashtra for accelerating production?

The Deputy Minister in the Ministry of Food (Shri A. M. Thomas): (a) The difference in quantity and quality of production of sugarcane in Maharashtra as compared to that in Bihar and U.P. is mostly due to the different conditions obtaining in these States. Sugarcane cultivation in Maharashtra has been very successful because of—

(i) tropical climate under which sugarcane crop grows much better;

(ii) well-organised large scale plantation;

(iii) about 1/3rd area being under Adkali planting which gives better acreage and better sugar recovery;

(iv) practically all the area under sugarcane being irrigated; and

(v) improved agricultural practices.

On the other hand, sugarcane crop in Uttar Pradesh and Bihar has mostly to depend on uncertain Monsoons as the irrigated areas are small. Holdings being small, the cultivation, to a very great extent, is done by a culti-